अंग पुनर्निर्माण की कुदरती शक्ति

आपके शरीर में एक ऐसा रसायन पाया जाता है जो संभवतः अंगों के पुनर्निर्माण में मददगार हो सकता है। कम से कम यह रसायन घावों की मरम्मत तो कर ही सकता है।

यह देखा गया है कि ईईटी (एपॉक्सी आईकोसेट्रिओनिक अम्ल) रसायन समूह के रसायन नई रक्त नलिकाओं के निर्माण में मदद करते हैं। यह देखते हुए बोस्टन के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के दीपक पाणीग्रही और उनके साथियों ने सोचा कि क्या ये रसायन अन्य अंगों में भी वृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं। इस बात की जांच करने के लिए उन्होंने पहले तो कुछ चूहों की सर्जरी करके उनके फेफड़े या लीवर का कुछ हिस्सा निकाल दिया। इसके तुरंत बाद इनमें से कुछ चूहों को ईईटी के इंजेक्शन दिए गए।

चार दिन बाद परीक्षण करने पर देखा गया कि ईईटी उपचारित चूहों में फेफड़ों और लीवर का विकास बेहतर हुआ था। उपचारित चूहों में फेफड़ों में ऊतक वृद्धि 23 प्रतिशत ज़्यादा और लीवर के ऊतकों की वृद्धि 46 प्रतिशत ज़्यादा हुई थी। शेष चूहों को भी इंजेक्शन तो दिया गया था मगर उस इंजेक्शन में ईईटी नहीं था। दूसरे शब्दों में, वह प्लेसिबो था।

यह भी देखा गया कि यदि घाव पर ईईटी लगाया जाए तो घावों के स्वस्थ होने में कम समय लगता है।

पाणीग्रही और उनके साथियों ने यह भी दर्शाया है कि जब कोई व्यक्ति लीवर का दान करता है, तो जान देने के अगले सप्ताह में ही उसके खून में ईईटी की सांद्रता सामान्य से तिगुनी हो जाती है।

अन्य शोधकर्ताओं को भी लगता है कि ईईटी एक अच्छा उपचार साबित हो सकता है। जैसे वरमॉन्ट विश्वविद्यालय के जीव वैज्ञानिक डैन वाइस का कहना है कि पता नहीं क्यों इतने सालों तक ईईटी की उपेक्षा हुई। यह वास्तव में सर्वथा नई संभावनाएं खोल सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***